www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 102 | जौनपुर मंगलवार, 25 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उदयपुर को मिला बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन अवॉर्ड

जयपुर, (एजेंसी)। झीलों की नगरी उदयपुर ने वेडिंग टूरिज्म में अपने महत्व को एक बार फिर साबित करते हुए आउटलुक ट्रैवलर अवॉर्ड्स 2025 में श्बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन्य का खिताब हासिल किया। यह अवॉर्ड नई दिल्ली स्थित हयात रीजनसी में आयोजित भव्य समारोह में घोषित किया गया। सिक्किम के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री टी. टी. भूटिया द्वारा राजस्थान पर्यटन के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और संयुक्त निदेशक (उदयपुर) सुमिता सारोच को प्रदान किया गया। गौरतलब है कि डेस्टिनेशन वेडिंग श्रेणी में राजस्थान लगातार अग्रणी रहा है। महलों, झीलों और मेवाड़ी धरोहर की वजह से उदयपुर वर्षों से देश–विदेश के कपल्स की पहली पसंद बना हुआ है। हाल के वर्षों में उदयपुर एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक रैंकिंग में भी शीर्ष पांच गंतव्यों में शामिल रहा है। भारतीय वेडिंग डेस्टिनेशन में राजस्थान नंबर वन, अब वैश्विक स्तर पर भी मजबूत मौजूदगीउपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर बेस्ट डेस्टिनेशन अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान पहली पसंद रहा है। देश के लगभग 70रू हेरिटेज प्रॉपर्टीज यहां स्थित हैं। हमारे किले, महल और हवेलियां सिर्फ संरचनाएं नहीं, बल्कि राजस्थान के इतिहास की जीवंत आत्मा हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा राजस्थान के 120 से अधिक हेरिटेज वेन्यू नियमित रूप से डेस्टिनेशन वेडिंग की मेजबानी करते हैं।

सड़क हादसे में बाल–बाल बचे वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी

जोधपुर, (एजेंसी)। जयपुर लौटते समय देर रात एक बड़ा हादसा टल गया। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अरुण ओमप्रकाश माथुर की पोती के विवाह समारोह में शामिल होकर वापस जयपुर आ रहे थे। तभी ब्यावर जिले के पीपलाज क्षेत्र में अचानक एक नीलगाय सरकारी वाहन के बिलकुल सामने आ गई।तेज रफ्तार में दौड़ती सड़क पर नीलगाय के अचानक उछलकर सामने आने से वाहन अनियंत्रित हो गया और भयानक टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कुछ पलों के लिए सबके होश उड़ गए, लेकिन सौभाग्य से किसी बड़ी अनहोनी से बचाव हो गया। दुर्घटना में अरुण चतुर्वेदी सहित वाहन सवार सभी को सामान्य चोटें आई हैं और उनकी हालत पूरी तरह सुरक्षित बताई जा रही है। मौके पर स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की और सभी को सुरक्षित निकाल लिया। रात के अंधेरे में हुआ यह हादसा एक बार फिर यह एहसास कराता है कि सड़क पर अचानक पशुओं का आ जाना किस तरह जानलेवा साबित हो सकता है।

पीएम मोदी ने राम जन्मभूमि मंदिर में झंडा फहराया

अयोध्या, (संवाददाता)। आज राम जन्मभूमि मंदिर में झंडा फहराया गया। इस दौरान पीएम मोदी भी वहां मौजूद रहे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने कहा कि अभी भी देश मानसिक गुलामी की चपेट में है। अभी भी गुलामी की इस मानसिकता ने डेरा डाला हुआ है। इस दौरान उन्होंने लॉर्ड मैकाले का भी जिक्र किया। मैकाले को भारत की शिक्षा प्रणाली और भारतीय दंड संहिताके निर्माण के लिए जाना जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज से 190 साल पहले, 1835 में मैकाले नाम के एक अंग्रेज ने भारत को अपनी जड़ों से उखाड़ने के बीज बोए थे। मैकाले की नीति ने विकसित की गुलामी की मानसिकता– पीएम मोदी

मैकाले की शिक्षा नीति को भारतीयों में गुलामी की मानसिकता विकसित करने वाला बताते हुए पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा, आज से 190 साल पहले, 1835 में मैकाले नाम के एक अंग्रेज ने भारत को अपनी जड़ों से उखाड़ने के बीज बोए थे। मैकाले की नीति ने भारत में मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। आने वाले 10 वर्षों में उस अपवित्र घटना को 200 वर्ष पूरे हो रहे हैं। हमें आने वाले 10 वर्षों में लक्ष्य लेकर चलना है कि भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे।

मैकाले का पूरा नाम लॉर्ड थॉमस बैबिंगटन मैकाले है। वह ब्रिटिश इतिहासकार, राजनेता और निबंधकार थे। उनका जन्म 25 अक्तूबर 1800 को इंग्लैंड में हुआ था। वह ब्रिटिश संसद के सदस्य रहे और 1834 में भारत के गवर्नर जनरल की काउंसिल के सदस्य के रूप में भारत आए। भारत में उनका कार्यकाल 1834 से 1838 तक रहा। उन्हें शिक्षा प्रणाली के निर्माण और कानूनी सुधारों में प्रमुख भूमिका के लिए जाना जाता है। भारत आने के बाद मैकाले को शिक्षा से संबंधित विषयों पर काम करने की जिम्मेदारी मिली। 2 फरवरी 1835 को उन्होंने मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन (नाम से एक रिपोर्ट तैयार की, जिसे मैकाले की शिक्षा नीति के नाम से जाना जाता है। इस रिपोर्ट में उन्होंने अंग्रेजी भाषा को भारतीय शिक्षा का माध्यम बनाने और पारंपरिक भारतीय शिक्षा, जैसे संस्कृत और फारसी को अप्रासंगिक घोषित किया। उन्होंने लिखा कि अंग्रेजी के माध्यम से ऐसे क्लर्क तैयार किए जाएं जो ब्रिटिश प्रशासन के लिए काम कर सकें। उनका प्रसिद्ध कथन था कि अंग्रेजी शिक्षा के द्वारा ष्हम भारतीयों में से एक ऐसा वर्ग तैयार करें जो रक्त और रंग से तो भारतीय हो लेकिन स्वाद, विचार और बौद्धिकता से अंग्रेजों जैसा हो।

बहुत जल्द बदलेंगी सीमाएं, भारत को वापस मिलेगा सिंध – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिंध क्षेत्र आज भारत का हिस्सा नहीं है। लेकिन हो सकता है कि सीमाएं बदल जाएं और यह क्षेत्र फिर से भारत का हिस्सा बन जाए। यह बातें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने सिंध के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को याद किया। बता दें, सिंध क्षेत्र 1947 के बंटवारे के बाद पाकिस्तान में चला गया था। वहां रहने वाले ज्यादातर सिंधी हिंदू भारत आ गए। राजनाथ सिंह ने कहा कि एलके आडवाणी ने अपनी किताब में लिखा है कि उनकी पीढ़ी के सिंधी आज भी सिंध के भारत से अलग होने को स्वीकार नहीं कर पाए हैं। उन्होंने बताया कि भारत के हिंदुओं के लिए सिंधु नदी हमेशा पवित्र रही है और सिंध के कई मुसलमान भी इसकी पवित्रता को आब–ए–जमजम जितना पवित्र मानते थे। श्सभ्यता से सिंध हमेशा भारत का हिस्साश्य राजनाथ सिंह ने कहा, आज सिंध भूगोल से भले ही भारत में नहीं है, लेकिन सभ्यता और संस्कृति से वह हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि सीमाएं बदल सकती हैं और कौन जानता हैकल सिंध वापस भारत आ जाए। रक्षा मंत्री ने मोरक्को में भारतीय समुदाय से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (क्कश्य) भारत को बिना किसी आक्रामक कदम के मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि क्कश्यमें लोग खुद आवाजें उठाने लगे हैं और श्आजादीय की मांग कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ विशेषज्ञों ने कहा था कि भारत को आगे बढ़कर क्कश्यका हिस्सा वापस लेना चाहिए। इसी संदर्भ में राजनाथ सिंह ने कहा कि हालात खुद इस दिशा में बदल रहे हैं।

अमित शाह ने एनसीबी और दिल्ली पुलिस को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस ने की संयुक्त टीम ने नई दिल्ली में 262 करोड़ रुपए कीमत का 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर एक ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया। राजधानी में ड्रग माफिया के खिलाफ हुई इस कार्रवाई पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीबी और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम को बधाई दी है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार बहुत तेजी से ड्रग कार्टेल को खत्म कर रही है। ड्रग्स की जांच के लिए टॉप–टू–बॉटम और बॉटम–टू–टॉप अप्रोच को सख्ती से अपनाते हुए नई दिल्ली में 262 करोड़ रुपए कीमत का 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया है। यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री मोदी के ड्रग–फ्री इंडिया के विजन को पाने के लिए कई एजेंसियों के बीच आसान तालमेल का एक शानदार उदाहरण था। वहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (डब्ल्यूआर–ढ़ढ़ढ़) ने राजधानी में हाई–प्योरिटी हेरोइन की सप्लाई करने वाले तुषार (31) निवासी महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली को गिरफ्तार किया है। यह कदम इंटरस्टेट नारकोटिक्स सिंडिकेट को तगड़ा झटका माना जा रहा है। आरोपी इस साल दो बड़े एनडीपीएस केस में भगोड़ा घोषित था, जिसमें कुल 770 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 8 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के निर्देश पर एसीपी राजपाल डबास के सुपरविजन में इंस्पेक्टर सतीश मलिक की टीम ने 21 नवंबर को गुप्त सूचना मिलते ही महावीर एन्क्लेव में ट्रैप लगाया।

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत को लगाया गले, अपनी आधिकारिक कार भी उनके लिए छोड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जस्टिस सूर्यकांत ने आज राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, उनके शपथ ग्रहण की खास बात ये रही कि उन्होंने ये हिंदी में ली। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मौजूद रहे। इस शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व सीजेआई बीआर गवई और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत तमाम केंद्रीय मंत्री समेत कई अन्य गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए।

बता दें कि, सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक रहेगा। वहीं इस शपथ ग्रहण समारोह के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने समारोह के बाद अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए अपनी आधिकारिक कार भी राष्ट्रपति भवन परिसर में छोड़ी। एएनआई के मुताबिक, पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने आज तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए उन्हें दी गई आधिकारिक कार में सफर न करके एक ऐतिहासिक नई मिसाल कायम की है। इसके बजाय, जस्टिस गवई ने मुख्य न्यायाधीश के लिए मिली कार अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह के बाद राष्ट्रपति भवन में उनके लिए छोड़ दी, ताकि यह पक्का हो सके कि नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए आधिकारिक कार उपलब्ध रहे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का शपथ ग्रहण ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें छह देशों– भूटान, केन्या, मलयेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण में इतनी संख्या में विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हाई कमान के फैसले का करेंगे पालन : सिद्धारमैया

बंगलूरू, (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी रस्साकशी दिन–प्रतिदिन और बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में अब सीएम सिद्धारमैया ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सोमवार को सिद्धारमैया ने कहा कि अगर कांग्रेस हाई कमान तय करती है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहिए, तो वे पूरी तरह इसके लिए तैयार हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें तेज तब हो गई जब राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। इसी बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित 'पावर शेयरिंग' समझौते की बातें भी सामने आई हैं। ऐसे में चर्चा तेज हो गई कि क्या अब डीके शिवकुमार को अगले ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद दिया जा सकता है। सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस हम हाई कमान के फैसले का पालन करेंगे। जो भी निर्णय लिया जाएगा, मुझे उसे स्वीकार करना होगा। शिवकुमार को भी यही करना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार अगला मुख्यमंत्री होंगे, तो उन्होंने दोहराया कि यह फैसला हाई कमान करेगी। बता दें कि कुछ महीने पहले हाई कमान ने कैबिनेट फेरबदल की मंजूरी दी थी, लेकिन सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार 2.5 साल पूरा करे, उसके बाद बदलाव होगा। अब उन्होंने कहा कि हाई कमान जो फैसला करेगी, वही मान्य होगा। ऐसे में पिछले हफ्ते कुछ डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली गए और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिले। इसके बाद सिद्धारमैया ने खरगे से बेंगलुरु में एक घंटे से ज्यादा लंबी बैठक की। सूत्रों की माने तो सीएम सिद्धारमैया कैबिनेट में फेरबदल चाहते हैं, जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पहले मुख्यमंत्री पद पर फैसला हो। ऐसे में अगर हाई कमान कैबिनेट फेरबदल को मंजूरी देती है, तो इसका मतलब होगा कि सिद्धारमैया पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के मौके कम हो जाएंगे। गौरतलब है कि हाल ही में शिवकुमार के समर्थन में छह और विधायक दिल्ली गए हैं और कुछ और विधायक जल्द जाने की संभावना है। ये विधायक शिवकुमार को सीएम बनाने की मांग हाईकमान के सामने रखने वाले हैं।

रूपये की गिरती कीमत को लेकर सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए यूपीए सरकार पर किए गए उनके ही पुराने बयान की याद दिलाई। गौरतलब है कि सोमवार को रुपया 89.46 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में तेजी दिखाते हुए 89.17 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 49 पैसे की बढ़त थी। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को रुपया 98 पैसे की गिरावट के साथ 89.66 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था। घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की भारी मांग, स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं ने इस गिरावट को और बढ़ाया। सरकार पर निशाना साधते हुए जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, "डॉलर के मुकाबले रुपये का फ्री फॉल जारी है। यह अब 90 रुपये प्रति डॉलर का स्तर पार करने वाला है।" उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री को जुलाई 2013 में दिया अपना बयान याद है, जिसके साथ उन्होंने उस समय का वीडियो भी साझा किया। उस वीडियो में मोदी ने कहा था, "देखिए रुपया कितनी तेजी से गिर रहा है। कभी–कभी लगता है कि रुपया और दिल्ली की सरकार में कोई मुकाबला चल रहा है कि किसकी इज्जत ज्यादा जल्दी गिरती है।

हिंदी सिनेमा के चहेते अभिनेता धर्मेंद्र का निधन, पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉलीवुड के ही–मैन कहे जाने वाले मशहूर एक्टर धर्मेंद्र का सोमवार, 24 नवंबर, 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। एक्टर के परिवार के एक स्पोक्सपर्सन ने इस खबर को कन्फर्म किया। शोले एक्टर को इस महीने की शुरुआत में 10 दिनों से ज़्यादा समय तक मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनकी सेहत में सुधार हुआ था, और उन्हें इलाज के लिए घर वापस ले जाया गया था। धर्मेंद्र के निधन से जुड़ी खबर की जानकारी मुंबई में पुलिस ने दी। उनके परिवार की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गयी है। धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि धर्मेंद्र का आज सुबह निधन हो गया और मुंबई के विले पार्ले उपनगर स्थित पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। धर्मेंद्र के जुहू स्थित आवास से एक एम्बुलेंस और कई कार रवाना हुईं तथा हेमा मालिनी, एशा देओल, आमिर खान, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन को श्मशान घाट पर देखा गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से ''भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत'' हो गया है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वह एक प्रतिष्ठित फिल्मी शख्सियत और अद्भुत अभिनेता थे ।

चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग : अजित पवार

संभाजीनगर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने विवादित वोट दो, फंड मिलेगा वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन पर भले ही 35 वर्षों से तरह–तरह के आरोप लगते रहे हों, लेकिन उनका श्किसी पर कोई कर्ज नहीं हैश और वे कानून तथा आचार संहिता का सम्मान करते हैं। सोमवार को परभणी जिले के जिंतूर में 2 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद चुनाव के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि मीडिया उनके हर शब्द पर नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ दिया जाता है। उन्होंने माना कि काम के दौरान गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनकी नीयत हमेशा विकास की रही है। पिछले हफ्ते पुणे जिले की मालेगांव नगर पंचायत के चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनके उम्मीदवारों को चुनेगी तो फंड की कमी नहीं होगी, लेकिन अगर उन्हें नकार दिया गया, तो वे भी नकार देंगे। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरते हुए माफी की मांग की थी। सोमवार को स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, श्मीडिया मेरे फंड से जुड़े हर शब्द की निगरानी कर रहा है। कोई भी बात होती है तो तुरंत उन्हें अजित पवार याद आते हैं। मैं आचार संहिता की पूरी इज्जत करता हूं। जिसने काम किया है उससे गलती हो सकती है, लेकिन 35 साल में बहुत आरोप झेले हैं, और फिर भी मैं किसी पर कोई कर्ज नहीं रखता। जिंतूर नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया। अजित पवार ने कहा, श्यहां के विकास के लिए मैं हमेशा साथ खड़ा रहूंगा। जिन लोगों पर विकास कार्यों का असर पड़ेगा, उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग की। अजित पवार ने आरोप लगाया कि कुछ गैर–सरकारी संगठन के लोग घर–घर जाकर मतदाताओं से उनके परिवार और कामकाज की जानकारी ले रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग इस पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा, श्कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। हर राजनीतिक दल को एक जैसे नियमों के आधार पर परखा जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य की कई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देना चाहिए। उनका कहना था कि उपलब्ध संसाधनों को सही दिशा में इस्तेमाल कर क्षेत्र का विकास किया जा सकता है।

संपादकीय

नई श्रम संहिताएं

इसमें दो राय नहीं कि नई श्रम संहिताएं लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं मसलन वेतन,औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। केंद्र सरकार 29 केंद्रीय कानूनों की जगह चार संहिताओं को लाने वाले इस कदम को ऐतिहासिक सुधार के तौर पर पेश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। इस पहल में कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं। सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक–सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। वहीं दूसरी ओर ये संहिताएं महिलाओं के लिये भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं। इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं। उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्यवन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा।

अल्पसंख्यक युवाओं में पनपते रोष पर विचार जरूरी

देश के बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान पर सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नजर हर वक्त रहती है। लेकिन अंदर पनपते गुस्से की वजहों पर भी गहराई से विचार करना जरूरी है। मसलन, कुछ अल्पसंख्यक युवा आतंकी कृत्यों की साजिशें क्यों रच रहे और लाल किले के बाहर आत्मघाती क्यों बने। जबकि रोष जाहिर करने के लोकतांत्रिक ढंग भी हैं। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, यह कथन किसी और का नहीं बल्कि एक हफ्ते पहले दिल्ली में रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह का है, जब वे पाकिस्तान से लगते उत्तरी अरब सागर के अलावा पश्चिमी मोर्चे पर तीनों सेनाओं के 'त्रिशूल' नामक समन्वित अभ्यास में प्रदर्शित 'क्रियान्वयन के उच्च स्तर' की प्रशंसा कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि इंटेलिजेंस एजेंसियां जल्द ही लाल किले पर हुए आत्मघाती हमले की तह तक पहुंच जाएंगी, जिसमें 14 लोग मारे गए थे – तब से लेकर छह लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, हो सकता है सीरिया और तुर्की जैसी जगहों से काम करने वाले इस्लामिक स्टेट की छद्म ताकत भारत के अंदरूनी आतंकवादियों को आतंक–प्रशिक्षण मॉड्यूल से जोड़ रही है। यह भी माना जाता है कि छह आतंकी आरोपियों में से एक, डॉ. शाहीन शाहिद, पाकिस्तान में अपने मुख्यालय वाले जैश–ए–मोहम्मद आतंकी गुट की भारत में उसके महिला विंग की मुखिया हैं। जरा इस बारे में सोचिए। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, जिसका मतलब है कि बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान, भारत की सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नजर में हर वक्त बना रहता है। लेकिन अंदर पनपते कट्टरपन का क्या? किस वजह से युवक–युवतियां, जिनमें से कई बहुत पढ़े–लिखे हैं, इतने गुस्से में हैं कि वे आत्मघाती बनने और देश में तबाही फैलाने को तैयार हो रहे हैं, खासकर तब जब अर्थव्यवस्था ठीक–ठाक रफ्तार से बढ़ रही है? आइये, पहले अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ देखते हैं। भारत के दुश्मन, पाकिस्तान पर पश्चिम के ताकतवर देश न केवल मेहरबान हो रहे हैं बल्कि ट्रंप ने तो असीम मुनीर को 'मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल' तक बता डाला, इसी दौरान वे इस बात पर जोर देते आए हैं कि न सिर्फ उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में समझौता करवाया बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फोन करके बताया कि 'हम पाकिस्तान के साथ जंग नहीं करने जा रहे हैं' पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने रिश्ते भी बहाल कर रहा है, वे संबंध जो 1971 के बाद से लगभग नदारद रहे। अब हम सब जानते हैं कि शेख हसीना और उनकी अवामी लीग जब तक सत्ता में थी, आईएसआई को बांग्लादेश से बाहर रखा' यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसीलिए भारत ने इतने सालों तक अपनी ओर से ज्यादा चौकसी नहीं रखी, तब भी जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने देश को सिक्योरिटी जोन में बदल डाला, छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध की ताकत का गलत अंदाजा लगाया और विपक्षी पार्टियों को पूरी तरह कुचले रखा था – लेकिन यह एक अलग कहानी है, जिस पर बात किसी और वक्त। सच तो यह है कि आज, आईएसआई की न केवल बांग्लादेश में वापसी हो चुकी है, बल्कि वह वहां अपनी मौजूदगी का खुलकर प्रदर्शन भी कर रही है और उच्चतम नेतृत्व तक उसकी सीधी पहुंच है। इतना ही नहीं, इस महीने की शुरुआत में, 54 साल में पहली बार, किसी पाकिस्तानी जंगी जहाज ने चटगांव बंदरगाह पर लंगर डाला। इसका मतलब है कि भारत को अपने पश्चिमी और पूर्वी, दोनों पार्श्वों पर, चौकन्ना रहना होगा। मानो देश के लिए बाहर से बनने वाली यह चुनौती भारत के लिए काफी नहीं थी, सवाल यह कि भारतीय युवा अंदर से भी क्यों कट्टरपंथी बन रहे हैं, यह हमारे लिए और भी ज्यादा चिंता की वजह है। शायद एक लघु प्रश्नोतरी कुछ जवाब दे पाए। उदाहरणार्थ, मुजम्मिल शकील गनई, अदील अहमद राठर, शाहीन सईद, इरफान अहमद वागे, आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी के बीच एक समान क्या है, इन सभी पर लाल किला विस्फोट कांड में राज्य में बड़ी अव्यवस्था की साजिश रचने का आरोप है? दूसरा, उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा उर–रहमान, मोहम्मद सलीम खान के बीच क्या एक समान है, इन सभी पर 2019 के दिल्ली दंगों के जरिये सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र रचने का आरोप है? तीसरा, मोहम्मद अखलाक, मजलूम अंसारी, इम्तियाज खान, पहलू खान, अलीमुद्दीन अंसारी, रकबर खान, कासिम, मोहम्मद जहीरुद्दीन, लुकमान अंसारी और अफान अब्दुल अंसारी के बीच एक जैसा क्या था,इन सब को इस अफवाह पर पीट–पीटकर मार डाला गया कि वे गोमांस ले जा रहे थे? इन सबका छोटा–सा जवाब यह है कि ये सब मुसलमान हैं। जरा सोचिए। लाल किले पर हुए विस्फोट में शामिल लोग, वे आरोपी जिन्हें पुलिस ने दिल्ली दंगों के मामले में यूएपीए के तहत पकड़कर जेल में डाल रखा है और साथ ही वे जिन को गोरक्षकों ने गोमांस ले जाने की अफवाह पर पीट–पीट कर मार डाला दृ मुसलमानों के इन एकदम अलग–अलग समूहों के बीच एक उभयनिष्ठ बिंदु है, उनका धर्म।

मुजम्मिल शकील पेशे से एक डॉक्टर हैं, इरफान अहमद एक मुफ्ती हैं, उमर खालिद ने जेएनयू से एमफिल किया है, गुलफिशा फातिमा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है और अखलाक और बाकी लोग उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के ट्रक चालक थे। ये महिला–पुरुष भारत के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक तबकों से हैं दृ जिनके बीच जमीन–आसमान का अंतर है। दिक्कत यह है कि हम इन सबको एक ही जैसे मान रहे हैं। शकील और इरफान, और उमर उन–नबी जोकि लाल किले के बाहर हुए बम विस्फोट का आत्मघाती बॉम्बर था, इस जैसों को वाकई सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए दृ उन्होंने देश को अंदर से कमजोर करने की कोशिश की। लेकिन उमर खालिद, शरजील, गुलफिशा और दूसरे अन्य, जो आज भी बिना जमानत के, पांच साल से जेल में बंद हैं दृ उनके केस की सुनवाई आखिरकार इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में हो रही है दृ उन्होंने शुरू से ही अपनी बेगुनाही की दुहाई दी है। जहां तक अखलाक और उसके साथियों की बात है, उन्हें कभी मौका ही नहीं मिला, मौत पहले ही उन्हें लील चुकी है। अब ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार दस साल पहले दादरी में हुई अखलाक कत्ल कांड के सभी आरोपियों के खिलाफ केस वापस लेने जा रही है। कोई नहीं जानता कि ऐसा क्यों, किन हालात में, और क्या यह हो सकता है।

सकारात्मक बदलाव की आकांक्षी पीढ़ी

कमल

पहले अभिभावक ही जेन–जी को प्रभावित और मार्गदर्शन करते थे, लेकिन अब स्थिति उलट चुकी हैकृजेन–जी अभिभावकों की सोच और फैसलों पर असर डाल रही है और उन्हें नए रास्ते दिखा रही है। मैक्सिको में युवा सड़कों पर उतरे थे ताकि समाज, राजनीति और जीवन की विसंगतियों को चुनौती दी जा सके। वही विरोध की भावना अमेरिका में भी दिखी, जब ट्रम्प ने अपने टैरिफ युद्ध के जरिए व्यक्तिगत और राष्ट्रीय अहम को संतुष्ट करने का प्रयास किया, जिसे युवाओं ने नकार दिया। युवा शक्ति के तेज उभार ने नेपाल सहित कई देशों में राजनीति का चेहरा बदला है, पर वास्तविक युवा चेतना अभी पूर्ण रूप में नहीं दिखी। श्रीलंका और पाक–अधिकृत कश्मीर में भी उभरे विरोधी स्वर बताते हैं कि नौजवान यथास्थितिवाद से तंग आ चुके हैं और नई व्यवस्था का स्वप्न देख रहे हैं। जहां–जहां यह युवा विद्रोह उठा, वहां नेताओं ने अपने राजनीतिक दांव चलेकृकुछ जगह परिवर्तन सार्थक हुआ, तो कुछ स्थानों पर यह ऊर्जा दिशाहीन होकर भटक गई। पिछले एक–दो वर्षों में युवा शक्ति का विद्रोही स्वर, जो भारी जन चेतक यात्राओं के रूप में उभरा, अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसे 'जेन–जी' कहा गया है। यह नई पीढ़ी सोशल मीडिया, डिजिटल जागृति और कृत्रिम मेधा के युग में पली–बढ़ी है। उनकी सोच परंपरावादी नहीं है और वे बुजुर्गों की विरासत को बिना समझे ढोने में धीरज नहीं रखते। जब–जब ये युवा सड़कों पर जागरूक हुए, राजनीतिज्ञों ने उन्हें भटकाने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद परिवर्तन अवश्य आया। युवा ऊर्जा ने समाज में नए आंदोलनों और बदलाव की दिशा दिखाई। पाक अधिकृत कश्मीर में नौजवान सड़कों पर विरोधी स्वर उठाकर परिवर्तन की उम्मीद जगा रहे हैं। आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझते पाकिस्तान में, जहां आम जनता नकली घोषणाओं शूरवीरता से तंग है, जेन–जी और जेन–अल्फा की युवा शक्ति सड़कों पर दिखाई दे सकती है। राजनीतिक बदलाव, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और जीवन में असंतोष से परेशान यह पीढ़ी विरोध कर रही है। हालांकि हर समय उनका विरोध निरर्थक नहीं होता, बल्कि उनके आंदोलन और आवाज समाज में बदलाव की संभावनाओं को प्रकट करते हैं। भारत के पास विशाल मांग–निकासी वाला बाजार है, जिसकी अनदेखी न पश्चिमी शक्तियां कर सकती हैं, न रूसी ब्लॉक। इसी कारण अमेरिका ने टैरिफ वार के नाम पर रूस और भारत से आर्थिक टकराव का एक छद्म युद्ध छेड़ा हुआ है। लेकिन वास्तविकता यह है कि आने वाले वर्षों में जेन–जी और जेन–अल्फा की उभरती शक्तियां देश में बड़े सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। भारत में अभिभावकों की पारंपरिक सोच और मूल्यों वाले लोग नई पीढ़ी, जेन–जी और जेन–अल्फा को आसानी से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उनकी पोशाक, खान–पान और जीवनशैली में स्पष्ट बदलाव दिखता है। बढ़ती समझदारी और आत्मविश्वास के कारण यह नई पीढ़ी अभिभावकों की बंदिशों पर भी असर डाल रही है। पहले माता–पिता केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन डिजिटल और कृत्रिम मेधा के युग में जेन–जी और जेन–अल्फा की सक्रिय भागीदारी के साथ भारत में एक नया युग उभर रहा है। कृत्रिम मेधा अब इंसान के मस्तिष्क में भी हस्तक्षेप कर रही है, नए सपने और विचार दे रही है, जिनमें कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। लेकिन कोई भी तटस्थ विश्लेषक यह मान सकता है कि वर्तमान युग, दस साल पहले के युग से बहुत अलग है। आज जेन–जी और किशोर माता–पिता को खरीदारी और अन्य निर्णयों में मार्गदर्शन देने लगे हैं। पहले अभिभावक ही जेन–जी को प्रभावित और मार्गदर्शन करते थे, लेकिन अब स्थिति उलट चुकी हैकृजेन–जी अभिभावकों की सोच और फैसलों पर असर डाल रही है ।

..... विविध/स्वास्थ्य .....

4/5 साल की बच्चियों को लगा रहे हैं लिपस्टिक सुंदर दिखें न दिखें

4/ आजकल छोटी बच्चियां भी मेकअप में दिलचस्पी लेने लगी हैं। घर की महिलाएं जैसे मम्मी, दीदी, बुआ या मौसी जब तैयार होती हैं, तो बच्चे भी उन्हीं की नकल करने लगते हैं। कई बार बच्चियां जिद करती हैं, और माता–पिता उन्हें खुश करने के लिए उनके चेहरे पर थोड़ा मेकअप कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कम उम्र में मेकअप करना उनकी सेहत के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है?

सोशल मीडिया के कारण बढ़ रहा ट्रेंड

आज के समय में इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर छोटी बच्चियां मेकअप करते हुए वीडियो बनाती हैं और उन्हें लाखों लोग देखते हैं। इससे सामान्य बच्चियों में भी मेकअप का क्रेज बढ़ रहा है। लेकिन कम उम्र में खूबसूरती की दौड़ में शामिल होना उनकी मानसिक और शारीरिक दोनों ही सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

कम उम्र की त्वचा पर मेकअप क्यों नुकसानदायक है?

बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है। इसमें प्राकृतिक सुरक्षा परत (स्किन बैरियर) बड़ों की तुलना में कमजोर होती है। ऐसे में मेकअप या स्किन केयर प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स त्वचा के अंदर तक पहुंच जाते हैं और कई समस्याएँ पैदा कर सकते हैं।

ये समस्याएं हो सकती हैं

त्वचा का रुखापन और जलन

खुजली और एलर्जी

छोटे–छोटे दाने, कील–मुहांसे

त्वचा का बैरियर कमजोर होना

दीर्घकाल में हार्मोनल असंतुलन

मेकअप प्रोडक्ट्स में कई बार रेटिनॉइड्स, ग्लाइकोलिक एसिड और अन्य केमिकल्स होते हैं, जो बच्चों की स्किन के लिए बिलकुल सुरक्षित नहीं होते।

लिपस्टिक से क्या नुकसान हो सकते हैं?

4/5 साल की बच्चियों के होंठ बेहद संवेदनशील होते हैं। ऐसे में लिपस्टिक लगाने से होंठ फटने लगते हैं, सूखापन बढ़ जाता है। होंठों का रंग काला पड़ने लगता है यही नहीं, कई लिपस्टिक और मेकअप प्रोडक्ट्स में पैराबेन्स, फेथलेट्स और फिनोल जैसे रसायन पाए जाते हैं। इनका लगातार इस्तेमाल करने से

बच्चियों में ये जोखिम बढ़ जाते हैं

समय से पहले प्यूबर्टी (अकाली किशोरावस्था)

हार्मोनल बदलाव

भविष्य में ब्रेस्ट या ओवेरियन कैंसर का खतरा

मानसिक सेहत पर भी असर

केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका बड़ा असर पड़ता है। जब बच्चियां सोशल मीडिया के सौंदर्य मानकों को फॉलो करने लगती हैं, तो

खुद की तुलना दूसरों से करने लगती हैं। हमेशा "परफेक्ट दिखने" का दबाव महसूस करती हैं।

एंजायटी, तनाव और कम आत्मविश्वास की समस्या

बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर जैसी मानसिक स्थिति का खतरा। कम उम्र में यह सब उनके व्यक्तित्व विकास को धीमा कर सकता है।

माता–पिता क्या करें?

बच्चों को मेकअप का इस्तेमाल न कराएं। स्किन–केयर वीडियो और सोशल मीडिया कंटेंट से उन्हें दूर रखें। उन्हें समझाएं कि खूबसूरती सिर्फ चेहरे पर नहीं, बल्कि स्वभाव और आत्मविश्वास में होती है। खेल, पढ़ाई और क्रिएटिव एक्टिविटीज की ओर उन्हें प्रेरित करें। कम उम्र में मेकअप करने से बच्चे भले ही कुछ समय के लिए "क्यूट" दिखें, लेकिन इसका असर उनकी सेहत पर लंबे समय तक पड़ सकता है। इसलिए बच्चों की नाजुक त्वचा और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

ठंड में पिएं इस लाल फूल की चाय, ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल सब रहेगा कंट्रोल

ठंड का मौसम आ गया है और इसके साथ कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में सामान्य चाय की बजाय गुड़हल के फूलों की चाय (भ्पइपेबने ज्म) पीना सेहत के लिए सबसे अधिक फायदेमंद माना जाता है। गुड़हल के फूल जितने सुंदर दिखते हैं, उतने ही स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी हैं। खासकर सर्दियों में इसका नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है और हार्ट हेल्थ के लिए भी बेहद लाभदायक है। आइए जानते हैं, घर पर गुड़हल की चाय बनाने का आसान तरीका।

गुड़हल की चाय के फायदे

ब्लड प्रेशर कंट्रोल– गुड़हल के फूल में ऐसे तत्व मौजूद हैं जो रक्त वाहिकाओं को आराम देते हैं और हाई ब्लड प्रेशर को प्राकृतिक तरीके से कम करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल में सुधार– इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और बायोएक्टिव कंपाउंड्स बैड कोलेस्ट्रॉल घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं, जिससे हार्ट डिजीज का रिस्क कम होता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल– गुड़हल की चाय मेटाबॉलिज्म तेज करती है और इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाकर डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

वजन घटाने में मदद– चाय में कैलोरी कम होती है और यह शरीर से अतिरिक्त पानी व नमक निकालने में मदद करती है।

इम्यूनिटी और लिवर हेल्थ– गुड़हल की चाय इम्यून सिस्टम मजबूत करती है और लिवर को स्वस्थ रखती है।

गुड़हल की चाय बनाने का आसान तरीका

2 कप पानी बर्तन में डालें।

गुड़हल के 2–3 फूल अच्छी तरह धोकर पानी में डालें।

उबाल आने दें और जब पानी थोड़ा कम हो जाए, गैस बंद कर दें।

आप चाहें तो पहले पानी उबालें और उसमें फूल डालकर 5 मिनट ढक कर छोड़ दें।

छानकर पिएं।

कौन से लोग गुड़हल की चाय न पिएं?

लो ब्लड प्रेशर वाले लोग– गुड़हल की चाय ब्लड प्रेशर को प्राकृतिक तरीके से कम करती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर पहले से ही कम है, तो इससे चक्कर, कमजोरी या बेहोशी हो सकती है।

गर्भवती महिलाएं– प्रेग्नेंसी में गुड़हल की चाय का सेवन सुरक्षित नहीं माना जाता। यह गर्भाशय को उत्तेजित कर सकती है।

डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की दवा लेने वाले लोग– यदि आप दवा पर हैं, तो गुड़हल की चाय दवा के असर को बदल सकती है। सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

एलर्जी वाले लोग– अगर आपको फूल या हर्बल टी से एलर्जी है, तो गुड़हल की चाय से भी एलर्जी या त्वचा पर रैशेज हो सकते हैं।

इन मामलों में डॉक्टर या आयुर्वेदाचार्य की सलाह लेने के बाद ही गुड़हल की चाय पिएं। सामान्य लोग दिन में 1–2 कप से ज्यादा न पिएं।

मां के दूध में यूरेनियम : नवजात का अमृत ही बना जहर, सेहत पर खतरा और कैंसर का डर

मां का दूध बच्चे के लिए अमृत के सामान है लेकिन लगातार बिगड़ता लाइफस्टाइल इस अमृत को भी जहर बना रहा है। मां के दूध से जुड़ी एक बेहद चिंताजनक खबर बिहार से सामने आई है। शोध के अनुसार, राज्य के 6 जिलों की हर जांची गई महिला के स्तन दूध में यूरेनियम पाया गया है। यह सुनकर हर कोई चौंक गया क्योंकि मां का दूध नवजात शिशु के लिए सबसे सुरक्षित और पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। यूरेनियम, जो पहले भूजल और मिट्टी में पाया जाता था, अब सीधे नवजात शिशुओं तक पहुंच रहा है। नवजात शिशु के अंग अभी विकसित हो रहे होते हैं, इसलिए उनका शरीर हानिकारक तत्वों को आसानी से अवशोषित कर लेता है। इससे गुर्दे, मस्तिष्क और विकास पर असर पड़ सकता है और भविष्य में गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

मां के दूध में यूरेनियम, सामने आई ये रिपोर्ट

एक ताजा अध्ययन के मुताबिक, बिहार के कई जिलों की स्तनपान कराने वाली महिलाओं के दूध में यूरेनियम (U–238) की चिंताजनक मौजूदगी पाई गई है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। शोध में 40 नमूनों का विश्लेषण किया गया और सभी में यूरेनियम मौजूद पाया गया, जिनमें लकभग 70: बच्चों को गैर–कार्सिनोजेनिक स्वास्थ्य जोखिम होने की संभावना बताई गई है। सबसे अधिक औसत प्रदूषण खगड़िया में जबकि सबसे ऊँचा व्यक्तिगत स्तर कटिहार में दर्ज किया गया।

अध्ययन के अनुसार लंबे समय तक यूरेनियम का संपर्क बच्चों में गुर्दे के विकास, तंत्रिका तंत्र मानसिक क्षमता और फ्फ पर असर डाल सकता है, क्योंकि छोटे बच्चों में इसे शरीर से बाहर निकालने की क्षमता बहुत कम होती है। हालांकि AIIMS दिल्ली के डॉ. अशोक शर्मा का कहना है कि दूध छुड़ाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि पाई गई मात्रा (0–5.25) अनुमेय सीमा से कम है और अधिकांश यूरेनियम शरीर से पेशाब के माध्यम से बाहर निकल जाता है, न कि स्तन दूध में केंद्रित होता है।

यूरेनियम शरीर में कैसे पहुंचता है?

डॉक्टर के अनुसार– यूरेनियम एक हैवी मेटल है जो मिट्टी और पानी में प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। यह भूजल या उस पानी से उगाई गई सब्जियों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है। शरीर में जमा होने पर यह बोन और किडनी में स्टोर होकर ब्लड के जरिए स्तनों तक पहुंचता है और वहां से दूध में स्थानांतरित हो सकता है। जब बच्चा यह दूध पीता है, तो यूरेनियम उसके शरीर में भी पहुंच जाता है।

यूरेनियम से बच्चों पर क्या असर पड़ सकता है?

शारीरिक विकास पर असर– नवजात और छोटे बच्चों के अंग अभी विकसित हो रहे होते हैं, इसलिए यूरेनियम के प्रभाव अधिक होते हैं।

गुर्दे और न्यूरोलॉजिकल सिस्टम– गुर्दे को नुकसान और मस्िष्तक/नर्वस सिस्टम पर दुष्प्रभाव।

भविष्य में कैंसर का खतरा– लंबे समय तक शरीर में जमा होने पर कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

विकास और वजन पर असर– बच्चे का वजन और हाइट बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

क्या मां का दूध देना बंद कर देना चाहिए?

नहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि मां का दूध बच्चे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें ऐसे पोषक तत्व और एंटीबॉडीज मौजूद होते हैं जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और संक्रमण से बचाते हैं। हालांकि, यदि किसी मां में यूरेनियम का स्तर बहुत अधिक पाया जाए, तो डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉर्मूला फीड का विकल्प अपनाया जा सकता है। इससे बच्चे को पोषण मिलेगा और हानिकारक तत्वों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

सावधानियां जो मां अपना सकती हैं

पानी का ध्यान रखें– हमेशा फिल्टर्ड या आरओ पानी पिएं।

सुरक्षित भोजन– जिन सब्जियों और फलों को आप खाते हैं, उनका स्रोत यूरेनियम मुक्त होना चाहिए।

नियमित जांच– जरूरत पड़ने पर यूरेनियम लेवल की जांच कराएं।

मतदाता सूची प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान– 4 दिसम्बर तक हर मतदाता को गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध कराना अनिवार्य

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रदेश के प्रत्येक मतदाता से अपील की है कि वे अपने गणना प्रपत्र को सही–सही भरकर हस्ताक्षर सहित 4 दिसंबर तक अपने मतदेय स्थल के बीएलओ को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। उन्होंने बताया कि मतदाता अपने या अपने परिजनों का विवरण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में खोजने के लिए पोर्टल पर ैमंतबी ल्वनत छंउम पद रेंज विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। पर जाकर किसी भी मतदाता की जानकारी आसानी से देखी जा सकती है। यदि वर्ष 2002–2004 के दौरान मतदाता किसी अन्य राज्य में रहा हो, तो उस अवधि की मतदाता सूची भी उसी पोर्टल पर उपलब्ध है। गणना प्रपत्र ऑनलाइन भरने की सुविधा भी वेबसाइट पर दी गई है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता पोर्टल पर अपने नंबर दर्ज कर अपने बीएलओ का नाम और फोन नंबर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से बीएलओ को यह सूचना मिलती है कि संबंधित मतदाता उनसे बात करना चाहता है। निर्देश दिए गए हैं कि बीएलओ 48 घंटे के भीतर मतदाता को वापस कॉल करें। इसके अतिरिक्त, किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत के लिए मतदाता 1950 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं, जहाँ जिला संपर्क केंद्र के कर्मचारी आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में अधिक हेल्प डेस्क स्थापित करने और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती के निर्देश सभी जिलाधिकारियों और नगर आयुक्तों को दिए गए हैं। अब तक प्रदेश में 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का संग्रह और डिजिटाइजेशन बीएलओ द्वारा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि विशेषकर शहरी क्षेत्रों में जहाँ बीएलओ स्थानीय कर्मचारी नहीं होते, वहाँ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को भी सहयोग देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके जनपद के प्रत्येक गाँव, मजरों, मोहल्लों, कॉलोनियों और बस्तियों में रहने वाले हर मतदाता को गणना प्रपत्र अवश्य उपलब्ध कराया जाए। किसी भी क्षेत्र को बीएलओ के भ्रमण से छूटने नहीं दिया जाएगा। साथ ही सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार अपने जिले में ैप्त प्रक्रिया को समय पर पूर्ण करें।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश ने अत्याधुनिक ब्लड बैंक निर्माण की रखी नींव

लखनऊ, (संवाददाता)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा प्रदेश में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ब्लड बैंक का निर्माण करने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन शनिवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जो इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के सभापति भी हैं, के द्वारा संपन्न हुआ। उनके कर–कमलों से हुए इस शुभारंभ को संस्था के लिए एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।भूमि पूजन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रेडक्रॉस द्वारा निर्मित किया जा रहा यह ब्लड बैंक प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यहां सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएँगी, ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त मिल सके और उसकी जान बचाई जा सके। उन्होंने इसे मानवता और सेवा की दृष्टि से प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के उप–सभापति अमरनाथ मिश्र ने कहा कि ब्लड बैंक का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा और यह जल्द ही पूरी तरह तैयार होकर जनता को सेवा प्रदान करेगा। उन्होंने इसे संगठन की एक बड़ी उपलब्धि बताया।कार्यक्रम के समापन पर रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के महासचिव रामानंद कटियार ने उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, स्वयंसेवकों और स्टाफ कर्मियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है और इसके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

उन्नाव भूमि विवाद से परेशान परिवार ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। उस समय हड़कम्प मच गया जब रविवार सुबह लगभग 10रू40 बजे उन्नाव के थाना आसिवन क्षेत्र के लोनारीखेड़ा गांव निवासी जगदीश यादव अपने परिजनों के साथ टैंगो–1 बैरियर पर पहुंचे और अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए सभी लोगों को सुरक्षित रोक लिया और तुरंत बचाव कर उन्हें सकुशल थाना गौतमपल्ली ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि सभी लोग सुरक्षित हैं और पूछताछ के साथ–साथ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।घटना के पीछे पुराना भूमि विवाद कारण बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 25 मार्च 2025 को जगदीश यादव के विपक्षी सूरज बली भी टैंगो–3 बैरियर पर इसी प्रकार ज्वलनशील पदार्थ लेकर पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद का निस्तारण करा दिया गया था। इसके बावजूद तनाव जारी रहा और 21 नवंबर 2025 को दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें सूरज बली के सिर में चोट आई। इस घटना के बाद सूरज बली की तहरीर पर थाना आसिवन में धारा 191(2), 190(2), 115(2), 357(3), 324(4) ठछै व एससीएसटी एक्ट की ध ारा 3(2)ध5() में मुकदमा दर्ज किया गया।इसी प्रकरण से परेशान होकर रविवार को जगदीश यादव अपने परिजनों सहित कुल 11 लोगों को लेकर आत्मदाह के इरादे से राजधानी पहुंचे। उनका दावा है कि दर्ज मुकदमे में कई निर्दोष लोगों के नाम शामिल कर दिए गए हैं और उनकी ओर से कोई मुकदमा अभी तक पंजीकृत नहीं हुआ है।आत्मदाह का प्रयास करने वालों में जगदीश यादव, कप्तान यादव और उनके परिवार की महिलाएं व बच्चे शामिल थे। इनमें नौ साल के संस्कार, आठ साल के प्रतीक, दस साल के प्रिंस, चार साल की ईशानी व सात साल की इच्छा जैसी मासूम बालिकाएं भी थीं। पुलिस के समय रहते पहुंचने से सभी को सुरक्षित बचा लिया गया और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

मिशन शक्ति 5.0रू झूलेलाल पार्क में महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा

लखनऊ (आरएनएस)कमिश्नरेट द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत रविवार को थाना हसनगंज की महिला पुलिस टीम ने झूलेलाल पार्क, नदवा रोड पर एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को सुरक्षा, सहायता एवं डिजिटल जागरूकता से सशक्त बनाना था।महिला कांस्टेबल नीलम, पूजा, तारावती, निधि जावला और नमिता सोलंकी की टीम ने मौके पर उपस्थित लगभग 20–25 महिलाओं और बच्चों को मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, आपातकालीन हेल्पलाइनों, यूपी कॉप ऐप और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को 1090, 112, 108, 1098 और 1076 जैसे प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों का महत्व बताया गया।

छठे वर्ष भी नहीं बढ़ेगी बिजली दरें ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए बिजली दरों में किसी भी प्रकार की वृद्धि न किए जाने पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की जनदृकेन्द्रित नीतियों, उपभोक्ता हितों के प्रति प्रतिबद्धता और आर्थिक रूप से जनता को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शर्मा ने बताया कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है, जिनका सीधा लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों के दौरान विद्युत क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं, जिनका परिणाम है कि उपभोक्ताओं को बेहतर और किफायती बिजली उपलब्ध हो रही है।प्रदेश ने इस वर्ष भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। लगातार छठे वर्ष बिजली दरों को यथावत रखते हुए उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जिसने इतनी लंबी अवधि तक उपभोक्ताओं को स्थिर और किफायती दरों का लाभ दिया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस निर्णय से करोड़ों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। सरकार का उद्देश्य जनता को अनावश्यक आर्थिक दिक्कतों से बचाना है, ताकि घरेलू बजट सुरक्षित रहे और कृषि, व्यापार तथा उद्योग क्षेत्रों पर भी कोई अतिरिक्त भार न आए।उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने घोषणा की है कि घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक, कृषि एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं सहित सभी श्रेणियों के लिए बिजली के टैरिफ आगामी वित्तीय वर्ष में भी बिना किसी बदलाव के लागू रहेंगे। इसका अर्थ है कि किसी भी वर्ग के उपभोक्ता पर अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं बढ़ेगा। बिजली दरों में स्थिरता से जहां घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, वहीं उद्योगों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की लागत नियंत्रित रहेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और रोजगार को मजबूती मिलेगी।ऐसे समय में जब देश के कई राज्यों में बिजली दरें बढ़ाई जा रही हैं, उत्तर प्रदेश का यह निर्णय आम जनता को बड़ी राहत देने वाला साबित हुआ है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट इससे सुरक्षित रहेगा, किसानों की सिंचाई लागत नहीं बढ़ेगी और रोजमर्रा की आय पर निर्भर परिवारों को आर्थिक स्थिरता मिलेगी। छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए भी यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि दरें स्थिर रखने के साथदृसाथ सरकार लगातार विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और अवसंरचना में सुधार कर रही है। पूरे प्रदेश में पुराने तारों और ट्रांसफॉर्मरों के बदलने, भूमिगत केबलिंग, नई परियोजनाओं की स्वीकृति और आपूर्ति तंत्र को आधुनिक बनाने के कार्य तेजी से जारी हैं।

गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत पर यूपी सरकार की बड़ी पहल, आगरा के गुरु का ताल गुरुद्वारे के विकास के लिए 2 करोड़ रुपए स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता की रक्षा के अमर प्रतीक गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष पर उत्तर प्रदेश सरकार ने सिख विरासत को विशेष सम्मान देते हुए आगरा स्थित ऐतिहासिक गुरु का ताल गुरुद्वारा के समेकित पर्यटन विकास को नई दिशा प्रदान की है। इतिहास के अनुसार, गुरु तेग बहादुर जी ने अपने आगरा प्रवास के दौरान इसी स्थल पर विश्राम किया था, जो आज भी सिख आस्था और अध्यात्म का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस विरासत को संरक्षित और विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025–26 में मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद से 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि सिख धर्म के नौवें गुरु तेग बहादुर जी अदम्य साहस, करुणा और मानवता के प्रतीक रहे हैं। उनके महान बलिदान ने पूरे विश्व को अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा दी है। उन्हें 'भारत का कवच' और 'हिंद दी चादर' जैसे महान उपनाम प्राप्त हैं, जो दर्शाते हैं कि उनका जीवन सत्य, न्याय और मानव सेवा के आदर्शों को कितनी दृढ़ता से प्रतिबिंबित करता है।

आगरा प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में शुमार है, जहाँ दिल्ली, एनसीआर, लखनऊ और बुंदेलखंड से पहुंचना बेहद सुगम है। यह सुगमता आगरा को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य बनाती है। वर्ष 2024 में आगरा में 1.78 करोड़ पर्यटक पहुंचे, जबकि वर्ष 2025 में जनवरी से जून तक 77,09,078 आगंतुकों ने यहां भ्रमण किया। बढ़ती पर्यटक संख्या स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है।जयवीर सिंह ने कहा कि आगरा पर्यटन मानचित्र पर 'ध्रुव तारे' की तरह चमक रहा है। ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की भव्यता के साथ–साथ जिले की विविध आध्यात्मिक विरासत इसे दुनिया भर के यात्रियों के लिए अनूठा गंतव्य बनाती है। प्रदेश सरकार सर्वधर्म समभाव की भावना के साथ ऐसे सभी आस्था–स्थलों को सुरक्षा, सम्मान और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ते हुए।

संक्षिप्त खबरें

सिर्फ 101 रुपये के विवाद में युवक की हत्या, पूर्वी जोन पुलिस ने दो हत्यारोपितों को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर थाना क्षेत्र में 19 नवंबर की रात महज 101 रुपये के लेन–देन को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या करने वाले दो आरोपियों को पूर्वी जोन की क्राइमध्सर्विलांस टीम और थाना पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान शशि प्रकाश उपाध्याय के रूप में हुई थी, जिसकी हत्या अज्ञात युवकों द्वारा मारपीट किए जाने के बाद इलाज के दौरान हो गई थी। घटना के बाद मृतक के पिता चन्द्रभूषण उपाध्याय ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच टीम गठित कर घटनास्थल, सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंचने के निर्देश दिए।जांच के दौरान पुलिस को 23 नवंबर की सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के दो आरोपी कमता बस अड्डे के पास मौजूद हैं। इस पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मौर्या के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अखिलेश कुमार निवासी गोण्डा और प्रिन्स उर्फ अरुण यादव निवासी आजमगढ़ के रूप में हुई। दोनों के पास तलाशी के दौरान 750 रुपये और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे मृतक शशि के जानकार थे और लखनऊ में उसके साथ पार्ट–टाइम काम करते थे। इसी दौरान थोड़ी रकम के लेन–देन को लेकर विवाद हुआ था, जो बढ़कर मारपीट में बदल गया और गंभीर चोट लगने से शशि की मौत हो गई।आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार घटना में तीसरा युवक भी शामिल था, जिसकी तलाश के लिए टीम दबिश दे रही है। गिरफ्तार दोनों युवकों को उनके अपराध के संबंध में धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य जिलों से उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया अत्याधुनिक ब्लड बैंक का भूमि पूजन

लखनऊ, (संवाददाता)। इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा द्वारा लखनऊ में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ब्लड बैंक की स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को इसका भूमि पूजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति ब्रजेश पाठक ने शिलान्यास करते हुए कहा कि यह ब्लड बैंक प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क रक्त सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रेडक्रॉस द्वारा तैयार किया जा रहा यह ब्लड बैंक आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा, जहां जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में कोई भी मरीज रक्त के अभाव में अपनी जान न गंवाए और इस दिशा में रेडक्रॉस का यह कदम सराहनीय है।इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के उपसभापति अमरनाथ मिश्र ने बताया कि ब्लड बैंक का निर्माण कार्य तेज गति से पूरा कराया जाएगा।

बीबीएयू और यूपी सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एमओयू किया

लखनऊ, (संवाददाता)। स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को सुदृढ़ करना है, जिसमें बीबीएयू के अमेठी स्थित सैटेलाइट केंद्र को विशेष रूप से लाभान्वित करने की योजना है।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस पहल को प्रदेश के औद्योगिक और शैक्षिक विकास के लिए सराहनीय कदम बताया। एमओयू पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया में अतिरिक्त मुख्य सचिव बिहारीलाल मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस पहल का मार्गदर्शन किया, जबकि डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू और खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, बीबीएयू सैटेलाइट कैंपस अमेठी की डॉ. कोमल सिंह ने इसे दिशा देने में प्रमुख योगदान दिया।यह समझौता छात्रों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही यह शोध, शिक्षा और उद्योग के बीच प्रभावी साझेदारी को भी मजबूत बनाएगा। एमओयू के तहत स्टार्टअप नीतियों के क्रियान्वयन और खाद्य उद्योगों के लिए सरकारी वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी सरल होगी, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभिन्न परियोजनाओं को आर्थिक सहयोग मिल सकेगा।बीबीएयू का अमेठी केंद्र इस समझौते से सबसे अधिक लाभान्वित होगा। इससे न केवल स्थानीय खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी विकसित होंगे। विश्वविद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यह सहयोग क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और युवाओं के लिए कौशल–विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव– गीता को जीवन का मूल मंत्र बनाकर धर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परम्परा में धर्म केवल उपासना विधि नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। श्रीमद्भगवद्गीता की दिव्य वाणी जीवन के प्रत्येक मोड़ पर सही दिशा दिखाने वाली है और 140 करोड़ भारतीयों के लिए यह दिव्य मंत्र के समान है। उन्होंने कहा कि गीता का प्रथम श्लोक 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे' इस बात का प्रमाण है कि भारत ने कर्तव्य और आचरण को ही धर्म का आधार माना है। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्म व्यक्ति को पुण्य का भागीदार बनाते हैं, जबकि कर्तव्य से विमुख होकर किया गया कार्य पाप की दिशा में ले जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के 700 श्लोक भारतीय जीवनदर्शन की सार्थक व्याख्या करते हैं। 18 अध्यायों में संकलित यह ग्रंथ सनातन धर्मावलम्बियों को धर्म, कर्तव्य और आत्मबोध की वास्तविक प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्वामी ज्ञानानन्द द्वारा जीओ गीता के माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में गीता के व्यावहारिक प्रयोग को सरल ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जो श्रमिक, किसान, विद्यार्थी, महिला, युवा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी तथा सैनिक जैसे प्रत्येक वर्ग के लिए मार्गदर्शक है।मुख्यमंत्री ने भारतीय परम्परा की उदारता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने कभी अपनी उपासना विधि को सर्वोच्च नहीं बताया। यहाँ 'जियो और जीने दो' की भावना को सर्वोच्च स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश देकर विश्व मानवता को एकता और समरसता की राह दिखाई है। गीता के अंतिम श्लोककृ'यत्र योगेश्वरः कृष्णो३ तत्र श्रीर्विजयो'कृका उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहाँ धर्म और कर्तव्य होंगे, वहाँ विजय निश्चित है। अधर्म के मार्ग पर चलकर कोई भी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया संदेशकृ'कर्मण्येवाधिकारस्ते'कृहमें निष्काम भाव से कर्म करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन भागवत इसी निष्काम कर्म के जीवंत प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ सेवा को किसी सौदे से नहीं जोड़ता, बल्कि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक बिना भेदभाव के सहायता पहुँचाता है।सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि गीता को जीवन में उतारना प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। यदि कोई प्रतिदिन दो श्लोक पढ़कर उनपर मनन करे और उन्हें व्यवहार में लाए, तो एक वर्ष में जीवन गीतामय हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व भी उसी प्रकार मोहग्रस्त है जैसे कुरुक्षेत्र में अर्जुन हुए थे, परंतु धर्मानुसार कर्म करने से ही सही परिणाम प्राप्त होगा।कार्यक्रम में जियो गीता के संस्थापक स्वामी ज्ञानानन्द, स्वामी परमात्मानन्द, स्वामी श्रीधराचार्य, स्वामी संतोषाचार्य, स्वामी धर्मेन्द्र दास सहित अनेक संत–महात्मा एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रामपुर में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एकता यात्रा का नेतृत्व किया, विकास कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को सख्त निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रामपुर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर एकता, अखंडता और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को दोहराया। रामपुर शहर स्थित आंबेडकर पार्क में आयोजित एकता यात्रा कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल का जीवन देश की एकता व अखंडता का प्रतीक है। सरदार पटेल ने 563 रियासतों को जोड़कर भारत को एक सूत्र में पिरोया, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभाकर पटेल के आदर्शों को आगे बढ़ाएं। उपमुख्यमंत्री ने वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए इसे स्वतंत्रता आंदोलन में देश को एकजुट करने वाला गीत बताया। उन्होंने अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा

कि देश आज अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए सक्षम है और किसी भी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी ने सरदार पटेल की स्मृतियों को विश्व पटल पर चिरस्थायी बना दिया है।उन्होंने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए तेजी से कार्य हो रहे हैं। जनधन योजना, किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं ने आमजन को सीधे लाभ पहुंचाया है। महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर सदैव महिलाओं के अधिकारों के पक्षधर रहे और आज सरकार भी महिलाओं को मजबूत व सम्मानजनक स्थान प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है।कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।उपमुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभाग प्रभावी रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले के हर विकास खंड में प्रत्येक माह दो ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से ग्राम चौपाल आयोजित हों, ताकि स्थानीय समस्याओं का समाधान समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सके और नए पात्र लाभार्थियों का चयन भी किया जा सके।कानून–व्यवस्था पर उन्होंने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा और चेतावनी दी कि शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए।विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को समय सीमा के अंदर और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।कार्यक्रम में कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया, विधायक आकाश सक्सेना, विधायक राजबाला सिंह, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, हरि सिंह ढिल्लो, कुंवर महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्याली राम लोधी, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल, राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी, चेयरमैन डीसीबी रामपुर मोहन लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर से 50 मीटर दूर कुए में मिला विवाहिता का शव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित खेतासराय थाना क्षेत्र के एत्मादपुर गांव में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के पास स्थित एक कुएं में एक महिला की लाश तैरती हुई मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी रही।

मृतका की पहचान गीता देवी (35) पत्नी सतीश कुमार यादव के रूप में हुई। उनका शव घर से करीब 50 मीटर दूर स्थित कुएं में मिला। परिजनों ने महिला की हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने का आरोप लगाया है।

बेटों ने अपने पिता के दवारा माँ की हत्या का करने का आरोप लगाया है। मृतका के के तीन बेटे हैं बड़ा बेटा अंशु यादव (19) वाराणसी में पढ़ाई कर रहा है जबकि दूसरा बेटा प्रांजल यादव (16) घर पर रहता है श्रेयांश यादव (13) पढ़ाई करता है।इस मामले में

बेटे प्रांजल यादव ने बताया कि पिता का गांव की एक महिला से प्रेम संबंध चल रहा था। सोमवार की रात घर में विवाद हुआ, जिसके बाद मां ने बच्चों का कमरा बाहर से बंद कर दिया। "हम लोग खाना खाकर सो गए। सुबह उठे तो मां नहीं मिलीं। खोजबीन में पता चला कि कुएं में किसी ने हत्या कर लाश फेंक दी हैं।

परिवार का आरोप है कि सतीश कुमार यादव की गांव की महिला इन्द्रकला पासवान से संबंध था। इसी को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था। पुलिस ने इन्द्रकला पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मृतका की बहन अनीता यादव ने बताया कि इन दोनों में 'चार साल से विवाद चल रहा था ,

सतीश अक्सर प्रेमिका के चक्कर में गीता से झगड़ा करता था।"चार साल पहले उसने गीता को बहुत बुरी तरह मारा था। हम समझाने गए तो गालियां दीं। हम लोग ही खर्चा चलाते थे।

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पुरे घटना क्रम की जाच पड़ताल में जुट गयी है इस मामले में जानकारी लेने पर

खेतासराय थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की हर बिंदु पर जांच की जा रही है।"एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

डीजे वाहन ने धक्के से रेलवे क्रासिंग का बूम टूटा, तीन घण्टे बाद बना, मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद थाना क्षेत्र के नाथुपुर रेलवे क्रासिंग का बूम सोमवार की रात को डीजे वाहन के टक्कर से टूट गया।जिसके चलते काफी दिक्कत हुई। आरपीएफ के जवानों को पहुंचकर वाहनों का आवागमन सुचारु रूप से संचालित कराया। जगदीशपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का काम शुरू हो गया है। जिसके चलते बाइक को छोड़ सभी वाहनों को ऊक्त रेलवे क्रासिंग से निकाला जा रहा है।उस क्रासिंग पर वाहनों का आवागमन बहुत अधिक बढ़ गया है।सोमवार की रात लगभग सात बजे एक डीजे वाहन की टक्कर से ऊक्त बूम टूट गया।गेटमैन ने स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को सूचना दिया।उन्होंने आरपीएफ के जवानों को वाहनों के संचालन के लिए भिजवाया।उसके अलावा मेंटनेंस विभाग को बूम ठीक करने को कहा।लगभग तीन घण्टे तक आरपीएफ के जवानों ने क्रासिंग पर मौजूद रहकर आवागमन को सुचारु ढंग से संचालित कराया।नौ बजकर 10 मिनट पर बूम ठीक हुआ। स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि बूम टूटने से हिमगिरि एक्सप्रेस, सुहेलदेव एक्सप्रेस, सुल्तानपुर पैसेंजर तथा तीन मालगाड़ियों को पांच से पंद्रह मिनट का प्रभाव पड़ा। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी लेने पर आरपीएफ चौकी प्रभारी प्रभुनारायण सिंह ने बताया कि बूम तोड़ने वाले डीजे वाहन को चिन्हित कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।चालक व वाहन को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जहरीली गैस से तीन लोगों की मौत

भदोही, (संवाददाता)। जिले की एक कालीन कंपनी में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब डाइंग हाउस के केबिन में उतरकर मोटर ठीक करने गए तीन मैकेनिकों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है। दयालापुर निवासी शितला मिश्र (55), सहसेपुर के शिवम् दुबे (32) और मध्यप्रदेश के राजकिशोर तिवारी (52), औराई स्थित एक कालीन कंपनी में इलेक्ट्रिशियन व मोटर मैकेनिक थे। डाइंग हाउस में बिगड़ी मोटर को ठीक करने के लिए केबिन में उतरे थे। बताया जा रहा है कि केबिन में कुछ समय पहले वॉशिंग और ई.टी.पी. प्लांट से जुड़ी प्रक्रिया के दौरान जहरीली गैस भर गई थी। जैसे ही तीनों मजदूर नीचे उतरे, जहरीली गैस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बाहर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जांच जारी है और गैस लीकेज के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री कर्मियों में आक्रोश व दहशत फैल गई है। परिवारों में कोहराम मच गया है। मौके पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

पेड़ से टकराई बाइक रिटायर्ड दरोगा की मौत

भदोही, (संवाददाता)। थाना क्षेत्र के पिछरिया गांव के पास शनिवार की देर शाम बाइक पेड़ से टकरा गई। जिससे कलीपुर निवासी सेवानिवृत्त दरोगा कृपा शंकर सिंह (64) गंभीर रूप से घायल हो गए। वाराणसी ले जाते समय उनकी मौत हो गई। खबर मिलने पर परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पंचनामा के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। कलीपुर निवासी कृपाशंकर सिंह शनिवार शाम को किसी कार्य के लिए वहिदा मोड़ गए थे। वहां से लौटते समय सुरियावां–कलिंजरा मार्ग पर बनकट खास के पिछरिया गांव के पास एक पेड़ से बाइक टकरा गई। जिससे उनको गंभीर चोट लग गई। शोरगुल होने पर पहुंचे लोगों ने एंबुलेंस से सीएचसी भेजा। जहां हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया। जहां ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। मृतक चार भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उनको दो पुत्र एक पुत्री हैं। प्रधान संघ अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजन ने वन विभाग की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए पेड़ कटवाने की मांग किया।

हवा की दिशा में बदलाव होने से बढ़ी ठंड

भदोही, (संवाददाता)। ज्ञानपुर। जिले के मौसम में अचानक से बदलाव आया है। रविवार को पछुआ हवा चलने से ठंड बढी है। इसके कारण गलन की स्थिति बनी है। वहीं दो दिनों से रात का पारा 13. 4 डिग्री पर रूका है। जबकि दिन के तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ठंड में वृद्धि होने के कारण सूर्यास्त होते ही लोग अलाव जलाकर उसके पास बैठ जाते हैं। इसके बाद भी ठंड से राहत नहीं मिल रही है। जिले में शनिवार से ही रात का पारा 13.4 डिग्री पर रूका । लेकिन दिन के पारा में जीरों दशमल छह डिग्री की कमी आन के कारण ठंड बढ़ी है। रविवार शाम तीन बजे से ही पछुआ हवा चलने लगा, जिससे सफर के दौरान लोगों को हल्की ठंड का अहसास हुआ।

साहित्यकार, पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी अजय कुमार का बहुआयामी जीवन विलक्षण था

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हिन्दी भवन के अध्यक्ष, सुपरिचित साहित्यकार, पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी अजय कुमार के 85 वें जन्मदिवस पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें जौनपुर की प्रसिद्ध गंगा–जमुनी संस्कृति का मूर्तिमान प्रतीक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनका बहुआयामी जीवन विलक्षण था। वे एक साथ कवि, गद्यकार, चित्रकार, मूर्तिकार, घुमक्कड़, फिल्मकार और प्रगतिशील वैचारिकी के समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर सात दशकों तक सक्रिय रहे। हिन्दी भवन सभागार में सोमवार को आयोजित संगोष्ठी में अजय कुमार द्वारा दिवंगत होने के दो दिन पहले पूरी की गई किताब ष्राग जौनपुरीष का विमोचन हुआ। जौनपुर के अतिरिक्त दूसरे जिलों–इलाकों से आए हुए साहित्यकारों–पत्रकारों एवं संस्कृतिकर्मियों ने कहा कि जौनपुर शुरू से ही सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल रहा है। श्राग जौनपुरीश में अजय कुमार ने विद्यापति के हवाले से जौनपुर को दो तहजीबों का संगम कहा और अपने लेखन से यह साबित किया है कि इसी में जौनपुर का दिल धड़कता है। राग जौनपुरी किताब में जौनपुर से संबंधित अनेक तथ्यों और सुनी–अनसुनी घटनाओं का जिक्र है लेकिन पूरी किताब सामाजिक एकता पर ही केंद्रित है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत महसूस की जा रही है। प्रमुख वक्ताओं में डॉक्टर अख्तर सईद, अजय विक्रम सिंह, के.के. पांडेय (इलाहाबाद), मनोज सिंह (गोरखपुर), मित्ररंजन (दिल्ली), उदय यादव, तूलिका, अंकुर राय, , मोहम्मद हफीज, डॉ. प्रतीक मिश्र, अरविंद उपाध्याय, इब्रत मछलीशरी, अमृत प्रकाश, आशा सिंह, अंसार जौनपुरी, आर पी सोनकर, संजय सेठ और किताब के प्रकाशक संजय जोशी आदि शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ. धीरेंद्र पटेल और संचालन राम नरेश (गोरखपुर) ने किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन शाम को कवि सम्मेलन और मुशायरा भी आयोजित हुआ जिसमें इब्रत मछलीशहरी, अहमद निसार, डॉ. अहमद सरीद, विभा तिवारी, मित्ररंजन, धीरेंद्र कुमार पटेल सहित कई प्रतिभाशाली कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम के आखिर में हिन्दी भवन संचालन समिति द्वारा सर्वसम्मति से नियुक्त हिन्दी भवन के नये अध्यक्ष अपल कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या 5 दिन बाद शव बरामद परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित सिकरारा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक ड्राइवर का शव झाड़ियों से बरामद हुआ। 29 वर्षीय रमाकांत यादव की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शव मिलने के दो घंटे के भीतर आरोपी अशोक यादव को गिरफ्तार कर लिया।

बरगुदर पुराने पुल के पास झाड़ियों में मिले शव के बाईं कान के पास चोट के निशान थे। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया था। मृतक रमाकांत यादव मछलीशहर थाना क्षेत्र के छाछो चकमुबारकपुर गांव के निवासी थे और मुंबई में ड्राइवर का काम करते थे।

रमाकांत 18 नवंबर को कामायनी एक्सप्रेस से मुंबई से अपने घर के लिए निकले थे। घर न पहुंचने पर परिजनों ने 20 नवंबर को मछलीशहर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार को शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी अशोक यादव ने बताया कि रमाकांत यादव मछलीशहर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। अशोक के अनुसार, रमाकांत ने पहले उसके साथ मारपीट की थी और उनके बीच पैसों का लेनदेन भी था। इसी रंजिश के चलते उसने जौनपुर लौटते समय समाधगंज के पास रमाकांत की गोली मारकर हत्या कर दी और शव को जंगल में छिपा दिया था। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि 23 नवंबर की देर शाम रमाकांत यादव के परिजनों ने अशोक यादव पर गुमशुदगी का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। संदेह के आधार पर अशोक यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पहले तो आरोपी टालमटोल करता रहा, लेकिन जब रमाकांत का शव मिला तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हत्या में इस्तेमाल सामान भी बरामद कर लिया गया है। तहरीर के आधार पर दो घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।साथ ही थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया है कि इस मामले में गहनता से निरक्षण कर ले की इसमें और कोई तो शामिल नहीं है।

गुरुकुल महाविद्यालय रुद्रपुर तिलहर शाहजहांपुर का अमृत महोत्सव

हरदोई/शाहजहांपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

विनोबा भावे के सर्वोदयी विचारों से प्रेरित कर्मयोगी परिवार सूरत के पुरुषार्थ से श्री लालचंद भाई जी ज्ञानचंद बजाज विक्रम भाई बजाज बालक छात्रावास का उद्घाटन हुआ।भारत में गुजरात राज्य एक ऐसा प्रदेश है जहां का हर व्यक्ति समाज की मदद के लिए सबसे पहले आगे आता है। गांधी विनोबा के विचारों को आगे बढ़ाने में गुजरात की भूमिका बहुत है। गुरुकुल शिक्षा के प्रति भी।अद्भुत सहानुभूति कर्मयोगी परिवार में दिखी।

उक्त विचार आचार्य विनोबा के विचारों से प्रेरित कर्मयोगी परिवार के प्रमुख केशुभाई हरिभाई गोटी अध्यक्ष मातो श्री गोटी चौरिटेविल ट्रस्ट सूरत ने गुरुकुल महाविद्यालय रुद्रपुर तिलहर शाहजहांपुर में अपने निर्माण अभियान के 239 वें छात्रावास का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि मातुश्री ट्रस्ट इस प्रकार के 351 छात्रालय बनवाने का संकल्प किया है। सभी प्रकल्पों के।लिए सहयोगी दाता निकल कर स्वयं हांथ आगे बढ़ाते हैं। सुदूर गांव के इस प्रकल्प के सहयोगी दाता विक्रम भाई बजाज से मेरा कोई सीधा परिचय नहीं है । हम दोनों आज पहली बार मिले हैं। उन्होंने मातुश्री ट्रस्ट पर अपना विश्वास व्यक्त किया और उन्होंने 239 वें सरस्वती धाम के सहयोगी दाता बनकर पुण्य कमाया है आज वे स्वयं बंबई से यहां चलकर उदघाट्न के निमित्त आए। उन्होंने यह भी कहा कि गुरुकुल के बच्चे इसमें रहकर अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाएंगे।

ट्रस्ट के कर्मयोगी जाकर कठिन परिस्थितियों में भी वहीं रहकर निर्माण कराके ही लौटते है। सही अर्थों में तो पुण्य इन सबको ही मिलना चाहिए।

सहयोगी बाइब्रेंट इनकॉरपोरेशन एल एल पी मुंबई के प्रमुख विक्रम भाई लालचंद भाई बजाज ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम केशुभाई और उनके ट्रस्ट के आभारी हैं कि उन्होंने ऐसे सुदूर इलाके में छात्रालय बनाने का अवसर हमें प्रदान किया है। हम सब गुरुकुल महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र को आज छात्रावास बनाकर सौंप रहे है। वे अब इसकी देखभाल और।गुरुकुल।के बच्चों के लिए उपयोग करेंगे।

तिलहर विधायक श्रीमती सलोना कुशवाहा ने कहा कि यह गुरुकुल गांव के बच्चों के लिए अच्छा काम कर रहा है। यहां के बच्चे खूब पढ़ाई करते हैं। और पढ़ाई करके बहुत आगे भी निकले है। हमारी भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए यहां सुन्दर भरसक प्रयास हो रहा है। हमारा सहयोग निरंतर गुरुकुल को मिलता रहेगा। बंबई से पधारे दिलीप कुमार लालवानी ने कहा कि मातुश्री ट्रस्ट ने स्थान का सही चुनाव किया है। वास्तव में यहां के छात्रों को उचित आवास की उपलब्धता नहीं थी। इस छात्रावास निर्माण से वह कमी पूरी होगी। अतिथि जी एस टी के कमिश्नर डॉ श्याम सुंदर पाठक ने बच्चों में संस्कृति के भाव भरने की अपील की।उन्होंने बच्चों के लिए और कई सुविधाएं बढ़ाने के लिए अपने हांथ आगे बढ़ाए। जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित विमला बहन ने कहा कि भारत का हर बच्चा संस्कृति का अनुसरण करके आगे बढ़ता जाए। यहां के बच्चे अपने गुरुजनों से बहुत कुछ सीखे है। इस प्रकार बच्चों के अंदर राष्ट्रीयता के अनेक भाव भरे है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने कहा कि इन 75 वर्षों में गुरुकुल ने बहुत बड़ी यात्रा पार की है। हम तो अपना जन्मदिन अनेक वर्षों से यहीं आर्य जनों के बीच आकर प्रसन्नता से मनाते हैं। एस एस यूनिवर्सिटी के सचिव डॉ अवनीश मिश्र ने शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति को सराहा। भारतीय योग संस्थान के डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी ने भी इस गुरुकुल के शिक्षण की सराहना की।

अध्यक्षता वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल ने करते हुए कहा कि यह गुरुकुल समाज में और ज्यादा प्रगति करता रहे। संस्कृत विश्विद्यालय के क्षेत्रीय निरीक्षक ने अपनी शुभकामनाएं दी। संयुक्त निदेशक महोदय ने भी अपनी शुभेक्षा व्यक्त की। कन्नौज के पूर्व सांसद रामबक्स वर्मा जी ने कहा कि हमने इस संस्थान को प्रारंभ से देखा है। शास्त्री जी ने बहुत परिश्रम करके इस वृक्ष को रोपा। श्री रमेश भइया संस्थापक विनोबा सेवा आश्रम जिनका एक वर्ष का मौन पूज्य विनोबा जी की मौन स्वर्णजयंती के क्रम में चल रहा है। उन्होंने अपने आशीर्वाद लिखकर।दिए जिनका वाचन किया गया। रमेश भइया ने कहा कि गुरुकुल शब्द सुनते ही रामायण महाभारत काल का स्मरण होने लगता है। भारत में शिक्षा की यह बहुत प्राचीन पद्धति है। गुरु के मुख से ही शिक्षा महत्वपूर्ण है। फिर उसके सानिध्य में रहकर शिक्षा प्राप्त करना, यह तो परम सौभाग्य ही माना जाएगा। विद्यार्थी गुरु का आदर करना सीखते हैं। यह भाव उन्हें समाज में भी अमल करने की प्रेरणा देता है। भारत की संस्कृति में गुरुकुल का बहुत महत्व माना गया है।

इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के स्वामी अभिषेक देव जी,डा सुद्दुमन आचार्य जी, श्री जी एस वर्मा,सी ए वैभव भाई सुतरिया, सुरेश शिवानी, कर्मयोगी नाग जी भाई, ज्योति बहन आदि सैकड़ों लोग यहां उपस्थित रहे।

सभी का आभार गुरुकुल महाविद्यालय के व्यवस्थापक प्रणव आर्य ने व्यक्त किया। सभी अतिथियों का स्वागत वेद मंत्रों की गूंज के साथ डा श्रेष्ठा बहन और डा. श्रद्धा बहन की टीम ने पुष्पवर्षा के साथ किया गया।

यह पावन व ऐतिहासिक क्षण अब कभी नहीं आने वाला

अयोध्या। मंगलवार को राम मंदिर शिखर पर पीएम मोदी द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था सख्त होने के बाद भी हजारों राम भक्तों के डगर को नहीं रुके।दूर दराज से लता चौक की ओर भारी संख्या में महिलाएं बुजुर्ग बच्चे पैदल ही आते हुए दिखाई दे रहे थे जिनके सिर पर भारी भरकम झोले व बोरे भी थे। इनके अलावा भारी संख्या में राम भक्तों का हम लता चौक की ओर पैदल ही आ रहा था।जो राम–राम, सीताराम की धुन गाते हुए राम पैड़ी की ओर बढ़ रहे थे।इन लोगों का कहना था कि आज हमें कोई भी रामनगरी जाने से कोई नहीं रोक सकता।यह पावन व ऐतिहासिक क्षण कभी नहीं आने वाला है।पाँच सौ वर्ष पहले का सपना आज पूरा हुआ।पहले राम मंदिर उसके बाद 500 वर्ष पूर्व बाबरी मस्जिद और फिर राम मंदिर का रूप आज एक बार फिर ध्वजारोहण के बाद ले लिया।क्योंकि यह मोदी व योगी की सरकार है और आज जो राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहर कार्यक्रम होने जा रहा है वह इन्हीं दोनों मोदी और योगी के चलते पूरा हो रहा है।बिहार के समस्तीपुर से आये राकेश कुमार व उनकी पत्नी राधिका देवी ने कहा कि आज का दिन हिंदुओं के लिए काफी गौरवशाली का दिन है।क्योंकि आज देश के प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराया गया।कहा कि हमने कभी कल्पना भी नहीं किया था कि हम सबके सामने राम मंदिर बनकर तैयार होगा और आज के दिन ध्वजारोहण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।इन दंपतियों ने पीएम मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया।वही धनबाद से आए मुकेश बोस तथा उनके अन्य साथियों ने कहां कि जो काम मोदी और योगी ने कर दिखाया है वह इसकी परिकल्पना तक नहीं की जा सकती। क्योंकि किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि आज सनातन संस्कृति व हिंदू धर्म का एक नया अध्याय लिखा जाएगा।कहा कि हम लोग यही सोचते थे कि क्या कभी प्रभु श्री राम टेंट से हटकर दिव्य अलौकिक मंदिर में आएंगे जिसे आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई गणमान्य पदाधिकारी व साधु संतों को साक्षी मानकर राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराया।कानपुर से अर्चना तिवारी व उनकी बेटी अंशिका तिवारी ने कहा कि हमें आज याद है जब 1990 में कई शहीद कारसेवको के खून से सरयू लाल हो गई थी लेकिन आज उन शहीद कारसेवको का बलिदान खाली नहीं जाएगा क्योंकि राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराते ही पूरे विश्व में जहां एक ओर हिंदुत्व व सनातन धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है।वाराणसी से आए अतुलेश कुमार व उनके परिजनों ने कहा कि आज मंगलवार को दिव्य व अलौकिक राम मंदिर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब दिव्य व अलौकिक राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया तो करोड़ों सनातन तथा हिंदुओं का सीना गर्व से ऊंचा हो गया क्योंकि 500 वर्षों से अधिक समय से लोगों के मन में यही प्रश्न था कि आखिर वह दिन कब आएगा।आज देश के प्रधानमंत्री मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसके चलते आज राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा लहरा रही है।वही गोरखपुर से नम्रता त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अयोध्या को बिगड़ते हुए देर नहीं लगी लेकिन बनते हुए कई वर्ष लग गए।जिसका जीता जागता उदाहरण राम मंदिर है।कभी बाबरी मस्जिद के रूप में लेकिन आज राम मंदिर फिर वही अपने आस्तिव मे आ गया जो कभी 500 वर्ष पहले हुआ करता था।उनके साथ आई स्मिता त्रिपाठी ने भी कहा कि राम मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाया गया और बाबरी मस्जिद को राम मंदिर साबित करने के लिए 500 से अधिक वर्ष लग गए लेकिन राम जी की इच्छा रही और आज हम लोगों की वह सपना भी पूरा हो गया जिसे हम सभी को वर्षों से इंतजार था और आज रामनगरी में राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने के बाद राम मंदिर अपने पूरे अस्तित्व में आ गया।

जौनपुर से शिक्षक-कर्मचारियों का तीसरा जत्था दिल्ली रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुरानी पेंशन बहाली और टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों और कर्मचारियों का तीसरा जत्था दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। अटेवा (ऑल टीचर्सएम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन) जौनपुर के जिला महामंत्री इंदु प्रकाश यादव के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक–कर्मचारी आज जौनपुर जंक्शन से दिल्ली चलो 25 नवंबर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राजधानी की ओर कूच कर गए। स्टेशन परिसर देर शाम तक जय युवा, जय अटेवा/एन एम ओ पी एस के नारों से गूंजता रहा। यह विशाल रैली जंतर–मंतर पर आयोजित की जाएगी, जिसे लेकर पूरे प्रदेश में भारी उत्साह देखा जा रहा है। अनेक चुनौतियों के बावजूद यह आयोजन तय हुआ है, और प्रतिभागी इसे एक ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में दर्ज कराने को उत्सुक हैं। प्रस्थान से पहले, अटेवा रामनगर के ब्लॉक अध्यक्ष शेरबहादुर यादव और खुटहन ब्लॉक के संरक्षक प्रमोद यादव ने कहा, जो जनसैलाब रामलीला मैदान पर उमड़ा था, वह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है। अब इतिहास जंतर–मंतर पर दोहराया जाएगा। यह जोश और जज्बा अब संसद को भी महसूस होगा। अटेवा जौनपुर के जिला कार्यकारिणी सदस्य विनोद यादव ने सवाल उठाया, ष्देश का शिक्षक, कर्मचारी और सैनिक आखिर बार–बार दिल्ली आने को क्यों मजबूर है? जनप्रतिनिधियों को अब जनता की आवाज सुननी होगी। पुरानी पेंशन बहाली का संघर्ष अब निर्णायक पड़ाव की ओर बढ़ रहा है।

रैली में शामिल मुफ्तीगंज ब्लॉक अध्यक्ष लालबहादुर यादव ने दृढ़ संकल्प व्यक्त करते हुए कहा, ष्देश के बच्चे–बच्चे ने यह आंदोलन देखा है और फिर देखेगा। हम असुरक्षित नहीं रहेंगेकृअपनी सेवा, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा के लिए यह लड़ाई हर हाल में जारी रहेगी। इस काफिले में बेरोजगार युवा आशीष यादव भी शामिल हुए, जो अपनी पीड़ा और अपेक्षाओं को जंतर–मंतर के मंच से व्यक्त करने के लिए उत्साहित हैं। सिरकोनी ब्लॉक अध्यक्ष त्रिपुरेश सिंह अपनी टीम के साथ, धर्मापुर अध्यक्ष मनीष यादव और श्यामबहादुर यादव भी सपरिवार इस रैली के लिए रवाना हुए। आंदोलन की नई ऊर्जा और बड़े परिवर्तन की उम्मीद लेकर जौनपुर से रवाना हुआ यह जत्था अब दिल्ली की ओर बढ़ चुका है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।